साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 07 | गोंदिया : गुरुवार, 23 से 29 सितम्बर 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

चुरडी नरसंहार रहस्य बढ़ा, हत्यारा कौन?

गोंदिया जिले सहित विदर्भ को झकझोर देने वाले तिरोड़ा तहसील के गांव चुरडी में हुए नरसंहार में पुलिस के सामने यह सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर हत्यारा बाहर का था या घर का? रेवचंद बिसेन व उसकी पत्नी मालता बिसेन, उनके दो बच्चे पूर्णिमा और तेजस चारों के शव मिलने से गोंदिया जिले में हड़कंप मच गया था।

उल्लेखनीय है की मालता, पूर्णिमा और तेजस को लोहे की भारी वस्तु से वार कर अमानवीय रुप से हत्या की गयी। रेवचंद के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं थे। हालांकि उनके कपड़े खून से सने थे। पुलिस ने हत्याकांड के दोषियों की तलाश के लिए डॉग स्क्वायड को बुलाया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी की तलाश में लाए गए कुत्ते घर में ही घूमते रहे, फिर उन्होंने रेवचंद के शरीर को देखा और भौंकने लगे।

चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि चारों शवों के पोस्टमार्टम से पता चला है कि तीन की मौत गंभीर चोटों से और रेवचंद की मौत गला घोंटने से हुई। रेवचंद के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं हैं। तो क्या रेवचंद ने पहले तीनो को मारकर, आत्महत्या की? ऐसा ही सवाल पुलिस के सामने निर्माण हुआ है।

घर में लूटपाट के कोई निशान नहीं, जल्दबाजी के कोई संकेत नहीं हैं। तो इस नरसंहार के पीछे कातिल कौन है, इंडोर या आउटडोर? यह सवाल पुलिस के सामने है। फिलहाल इस दिशा में जांच चल रही है। इसलिए पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है.

जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पनसारे ने घटनास्थल का दौरा किया। उस वक्त उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से कुछ भी कहने से इनकार कर दिया था। हालांकि उन्होंने कहा कि जांच जारी है।

घटनास्थल की समग्र स्थिति, कुत्ते से मिले सिग्नल और मेडिकल रिपोर्ट को देखते हुए हत्यारा बाहर का नहीं लग रहा है। हालांकि पुलिस हर तरफ से जांच कर रही है। उचित और ठोस निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद ही आरोपी के नाम की घोषणा की जाएगी।

तिरोड़ा पुलिस निरीक्षक योगेश पारधी ने कहा कि धारा ३०२ के तहत मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने तक कुछ भी ठोस नहीं कहा जा सकता है।

घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक विश्व पनसारे मौके पर पहुंचे। उप विभागीय पुलिस पदाधिकारी नितिन यादव, थानेदार योगेश पारधी, सहायक पुलिस निरीक्षक ईश्वर हनवते, अभिजीत जोगंडद, पुलिस उपनिरीक्षक राधा लाटे ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस अजीबोगरीब घटना ने समाज को झकझोर कर रख दिया। पहली नजर में इस तरह की ऑनर किलिंग नजर आ रही थी। कयास लगाए जा रहे हैं कि रेवचंद बिसेन ने अपनी पत्नी, बेटे और बेटी की हत्या कर आत्महत्या की होगी। तिरोड़ा पुलिस घटना की हर तरफ से जांच कर रही है।

आदिवासी विद्यार्थियों से खिलवाड़ नहीं मिल रही किताबें

गोंदिया – आदिवासी शिक्षा विभाग की ओर से कक्षा पहली से कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों की पाठशाला ऑनलाईन-ऑफलाईन के माध्यम से शुरु की गई थी। नया शैक्षणिक सत्र शुरु होने ढाई माह बीत गए है। लेकिन जानकारी यह सामने आई कि अब तक आदिवासी विद्यार्थियों को किताबे ही नहीं दी गई है। जबकि इसकी जानकारी आदिवासी जनप्रतिनिधियों के साथ क्षेत्र के विधायकों को तक नहीं है। इससे यह समझा जा रहा है कि आदिवासी विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किस तरह से खिलवाड़ किया जा रहा है। गौरतलब है कि आदिवासी एकात्मिक विकास प्रकल्प देवरी की ओर से शासकीय तथा अनुदानित आश्रम शालाएं संचालित है, जहां पर ३ हजार से अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। कक्षा आठवीं से बारहवीं तक आश्रम स्कूल शुरु है। वहीं कक्षा पहली से सातवीं कक्षा तक विद्यार्थियों की कक्षाएं ऑनलाईन-ऑफलाइन के माध्यम से चलाई जा रही है। लेकिन कक्षा सातवीं तक के विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र की किताबों का वितरण ही नहीं किया गया है। जब उनके पास किताबे ही नहीं तो शिक्षा का पाठ कैसे पढ़ेगे। ऑनलाईन शिक्षा आदिवासी विद्यार्थियों से कोसो दूर है। ऑफलाईन शिक्षा ही विद्यार्थियों के नसीब में है। लेकिन किताबे ही नहीं मिलने के कारण ऑफलाईन शिक्षा भी उनसे कोसो दूर चली गई है। इसकी जानकारी तक क्षेत्र के विधायक, जनप्रतिनिधि तथा आदिवासी संगठनों को नहीं है। जिस वजह से इस विषय को लेकर किसी ने भी आवाज नहीं उठाई। आदिवासी शिक्षा विभाग यह कहते हुए थक नहीं रहा कि विद्यार्थियों को शिक्षको द्वारा उनके गांवों तक शिक्षा पहुंचा रहे है। जबकि हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

आपूर्ति होते ही दी जाएगी किताबे

किताब वितरण की अलग से व्यवस्था शासन द्वारा की गई है। किताबों की आपूर्ति केंद्रस्तर पर शुरु है। आपूर्ति होते ही विद्यार्थियों को किताबे उपलब्ध की जाएगी। जिप स्कूल के विद्यार्थियों को किताबों का वितरण किया गया है।

– कैलाश सर्याम, शिक्षाधिकारी (प्राथ) जिप गोंदिया

कृतिपुस्तिका की जा रही उपलब्ध

आदिवासी विद्यार्थियों को शिक्षकों के माध्यम से शिक्षा का पाठ पढ़ाया जा रहा है, किताबे नहीं मिली हो लेकिन शिक्षा शुरु है। कृति पुस्तिका के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा दी जाएगी। नेटवर्क की समस्या होने के कारण ऑनलाईन शिक्षा देने में समस्या निर्माण हो रही है। जल्द ही विद्यार्थियों को कृति पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

– आर.पी.मिश्रा, सहा.प्रकल्प अधिकारी, देवरी

विद्यार्थियों को एकत्रित कर दी जा रही शिक्षा

फिलहाल कक्षा पहली से सातवीं के विद्यार्थियों को किताबे उपलब्ध नहीं की गई, लेकिन शिक्षा का पाठ पढ़ाना शुरु है। ४ से ५ किलोमीटर की दूरी पर रहने वाले विद्यार्थियों को एक स्थान पर दुपहिया वाहन से बिठाकर एकत्रित कर उन्हें शिक्षा का पाठ पढ़ाया जा रहा है। इस तरह की शिक्षा देने में असुरक्षित महसूस होता है। शासन द्वारा दिए गए कोविड-१९ के नियमों का पालन इस दौरान किया जाता है।

– शैलेष नंदेश्वर, प्राथमिक शिक्षक
आदिवासी अनुदानित आश्रम स्कूल

रुपयों से भरी थैली लेकर अज्ञात फरार

गोरेगांव विदर्भ कोकण ग्रामीण बैंक की घटना आंतर्राज्यीय चोरों की टोली सक्रीय

गोंदिया – गोरेगांव पुलिस थानांतर्गत विदर्भ कोकण ग्रामीण बैंक शाखा गोरेगांव परिसर से किसान के हाथ से रुपए से भरी थैली अज्ञातों ने छीनकर दुपहिया वाहन से फरार हो गए है। घटना २२ सितंबर को तकरीबन सुबह ११ बजे के दौरान घटित हुई है। इस घटना से बैंक ग्राहकों में दहशत निर्माण हो गई है। चर्चा चल रही है कि लुटेरों की टोली जिले में सक्रीय होकर चोरों की टोली के सदस्य अन्य प्रांत के हो सकते है। इस घटना की शिकायत गोरेगांव पुलिस थाने में की गई है। शिकायत पर पुलिस अज्ञात चोरों की खोज में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोरेगांव तहसील अंतर्गत मुरदोली निवासी जियालाल फुलिचंद कटरे (७१) को खरीफ धान फसल का बोनस मिली थी। बोनस की राशि विदर्भ कोकण ग्रामीण बैंक के खाते में जमा की गई थी। इस राशि की निकासी करने जियालाल कटरे अपने पोते के साथ बैंक आया था और २२ हजार रुपए निकालकर प्लास्टिक की थैली में भरकर बैंक से बाहर निकला। उसके बाहर निकलते ही अज्ञात ने हाथ से थैली छीनकर फरार हो गया। घटना घटित होते ही जियालाल तथा उपस्थित लोगों ने चिल्लाकर पकड़ने के लिए उसके पिछे दौड़ पड़े। दुपहिया वाहन से घटनास्थल से फरार हो गया। इस घटना की शिकायत गोरेगांव पुलिस थाने में की गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा ३९२, ३४ भादंवि के तहत मामला दर्ज किया है। इस घटना की जांच पुलिस निरीक्षक सचिन म्हैत्रे के मार्गदर्शन में शुरु कर दी गई है।

आंतर्राज्यीय चोरों की टोली की संभावना

उपरोक्त घटना को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि जिले में आंतर्राज्यीय चोरों की टोली सक्रीय है। घटना को अंजाम देने के पूर्व टोली के सदस्य सबसे पहले रेकी कर घटना को अंजाम देते है। क्योंकि इसके पूर्व भी इसी तरह की घटनाएं जिले में घटित हो चुकी है। संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही चोरों की टोली पुलिस के हिरासत में होगी। पुलिस को जानकारी मिलते ही लोकल क्राईम ब्रांच तथा पुलिस की अन्य टीम खोज अभियान में जुट गई है।

राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रुप में मनाया प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन

गोंदिया – शुक्रवार १७ सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर गोंदिया जिला युवक कांग्रेस व जिला एनएसयूआई के सुशिक्षित बेरोजगार रुकनेज शेख अपनी बीबीए के डिग्री लेकर अन्य युवाओं के साथ मिलकर नेहरु चौक पर पकोड़े बेचकर राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रुप में मनाया। कार्यक्रम का आयोजन युवक कांग्रेस अध्यक्ष आलोक मोहंती, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष हरीश तुलसकर ने किया। इस अवसर पर आमगांव देवरी विधानसभा के विधायक सहेसराम कोरोटे, शहर अध्यक्ष जहीर अहमद,

कांग्रेस नेता अशोक गुप्ता, युवक कांग्रेस प्रदेश सचिव रुचित दवे, शहर महासचिव दलेश नागदवने, अमर राऊत, बंटी कोठारी, मनीष चौहान, जिला उपाधक्ष युवक कांग्रेस मजहर खान, विधानसभा अध्यक्ष बाबा बागडे, शहर अध्यक्ष रवि चौरसिया, दीपेश अरोरा, राजू गिल, उपाध्यक्ष कीर्ति येरने, एनएसयूआई शहर अध्यक्ष रुकनेज शेख, तालुका अध्यक्ष शैलेश बिसेन, वारिस भगत, कृष्णा बिभार, अनिल रंगिरे, मंथन नंदेश्वर, अमित मरुन्बान, विक्की रहांगडाले, शाहरुख सोलंकी, अमन रोगाटिया व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दुष्कर्मी पुलिस सिपाही बैस को २० वर्ष का सश्रम कारावास

५० हजार का जुर्माना, फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सुनाई सजा

गोंदिया जिले के दवनीवाड़ा पुलिस थाने में कार्यरत तत्कालीन पुलिस सिपाही ब. नं. १५९०, शास्त्री वार्ड गोंदिया निवासी शिवपूजन सिंह सूरजनाथ बैस (५२) को दुष्कर्म के आरोप में दोषी करार देते हुए फास्ट ट्रैक कोर्ट की न्यायाधीश सुभद्रा डी. तुलनकर द्वारा २० सितंबर को सुनाये गये फैसले में २० वर्ष के सश्रम कारावास की सजा व ५० हजार रुपये का जुर्माना ठोका गया।

प्रकरण इस प्रकार है कि दवनीवाड़ा पुलिस थाने में कार्यरत तत्कालीन पुलिस सिपाही शिवपूजन सिंह बैस द्वारा अपने पद के रौब के चलते १७ वर्षीय नाबालिक युवती के साथ दुष्कर्म कर जान से मारने की धमकी दी थी। उपरोक्त मामला २३ फरवरी २०१४ से १४ मार्च २०१४ के बीच घटित हुआ था। जिसमें आरोपी द्वारा २३ फरवरी की शाम ७.३० बजे के दौरान १७ वर्षीय नाबालिक परिचित युवती को घर छोड़ने के बहाने मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले जाते समय बीच रास्ते में जंगल परिसर में नहर के समीप ले जाकर दुष्कर्म किया। इस घटना की जानकारी किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। फिर इसके पश्चात १४ मार्च को जब युवती शौच के लिए जा रही थी तो उसे दबोच कर फिर से खेत परिसर में ले जाकर दुष्कर्म किया। बार-बार दुष्कर्म किए जाने से पीड़ित युवती द्वारा इस घटना की शिकायत २१ मार्च २०१४ को दवनीवाड़ा पुलिस थाने में दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत पर दवनीवाड़ा पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा ३७६,(२),(आय)(एम), ५०६ तथा सहायक धारा बाल लैंगिक अत्याचार प्रतिबंधक कानून की ४,६ के तहत दर्ज किया।

शिकायत दर्ज होते ही आरोपी फरार हो गया था जिसके पश्चात पुलिस द्वारा आरोपी को ६ जुलाई २०१४ को छत्तीसगढ़ के चांपा से हिरासत में लिया गया। संपूर्ण मामले की जांच कर जांच अधिकारी सहायक पुलिस निरीक्षक डी.जे. बाकाड़े ने २९ सितंबर २०१४ को जिला सत्र न्यायालय में चार्जशीट पेश की। लेकिन मामले की गंभीरता व नाबालिग युवती के साथ दुष्कर्म के मामले को देखते हुए उपरोक्त प्रकरण विशेष जिला व सत्र न्यायालय फास्ट ट्रैक में शुरु किया गया।

उपरोक्त मामले में सरकारी वकील कृष्णा डी. पारधी द्वारा १८ गवाहों व चिकित्सा अहवाल के आधार पर पीड़िता का पक्ष रख पैरवी की। जिसमें विशेष जिला व सत्र न्यायालय फास्ट ट्रेक पास्को कोर्ट के न्यायाधीश सुभद्रा डी. तुलनकर द्वारा २० सितंबर को सुनाए गए अपने फैसले में आरोपी को बाल लैंगिक अत्याचार प्रतिबंधक कानून की धारा ६ के तहत दुष्कर्म का दोषी करार देते हुए २० वर्ष का सश्रम कारावास की सजा तथा ५० हजार का जुर्माना लगाया। जिसमें से २० हजार रुपए पीड़ित युवती को देने का निर्देश दिया।

उपरोक्त मामले में पीड़िता व सरकार की ओर से विशेष सरकारी वकील कृष्णा पारधी ने न्यायालय में पक्ष रख पीड़िता को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। वहीं पुलिस विभाग की ओर से न्यायालय कार्य पुलिसकर्मी श्रीकांत मेश्राम व महिला पुलिस सिपाही सुनीता लिल्हारे ने विशेष सहयोग दिया।

एआईएमए रत्न पुरस्कार के लिए डॉ.कर्नेवार का चयन

गोंदिया – आयुष इंटरनेशनल मेडिकल एसोसिएशन की ओर से डॉ. मेघा कर्नेवार को नेचर हीलिंग और योग के लिए एआईएमए रत्न पुरस्कार के लिए चयन गया है। उन्हें इस पुरस्कार के लिए कोरना काल के दौरान चिकित्सा और सामाजिक क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए चुना गया है। यह पुरस्कार स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया जाता है। आयुष इंटरनेशनल मेडिकल एसोसिएशन स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले सात पैथियों का एक विश्वव्यापी संगठन है। जिसमें आयुर्वेद, होम्योपैथी, सिद्ध यूनानी, एक्यूपंक्चर, एक्यूप्रेशर के साथ-साथ योग और प्राकृतिक चिकित्सा शामिल हैं। पुरस्कार समारोह २७ सितंबर, २०२१ को यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह, औरंगाबाद में आयोजित किया जाएगा। डॉ. मेघा कर्नेवार चिकित्सा क्षेत्र में प्राकृतिक चिकित्सा और योग के प्रचार प्रसार हेतु सभी बीमारियों के लिए घरेलू उपचार बताती है।

आरपीएफ गोंदिया ने रेलवे के टिकट दलाल को दबोचा

गोंदिया रेलवे सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच के निरीक्षक अनिल पाटिल व उपनिरीक्षक के.के. दुबे व सहायक उपनिरीक्षक एस. एस. ढोके को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति रेलवे के टिकट का अवैध कार्य कर रहा है। जानकारी प्राप्त होते ही क्राइम ब्रांच द्वारा कार्रवाई कर पर्सनल आईडी से उसके द्वारा बनाई गई १३ नग ई-टिकट कीमत १५२२१ जप्त की गई तथा आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए रेलवे सुरक्षा बल गोंदिया पोस्ट के सुपुर्द किया गया। जहां आरोपी के खिलाफ धारा १४३ रेल अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर रेलवे न्यायालय नागपुर के समक्ष पेश किया गया। उपरोक्त कार्रवाई रेलवे सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गोंदिया आरपीएफ क्राइम ब्रांच के अधिकारियों द्वारा की गई।

संपादकिय

शिक्षा पर कोविड की मार

कोविड-१९ ने मानव समाज को कितना पीछे धकेला है, इसके सटीक आकलन में अभी वर्षों लगेंगे, क्योंकि महामारी पर निर्णायक नियंत्रण का कोई सिरा फिलहाल ठीक-ठीक दिख नहीं रहा और दुनिया का एक बड़ा व बेबस हिस्सा अब भी इसकी वैक्सीन के इंतजार में है। पर इसके जो तात्कालिक असर दिख रहे हैं, वही काफी दिल दुखाने और चिंतित करने वाले हैं। भारत के संदर्भ में मशहूर अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज, रीतिका खेड़ा और शोधार्थी विपुल पैकरा का एक ताजा सर्वेक्षण बताता है कि लंबे अरसे तक स्कूलों के बंद रहने की सबसे बड़ी कीमत ग्रामीण इलाकों के गरीब बच्चों ने चुकाई है। कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों के बीच किए गए इस सर्वे के मुताबिक, गांवों में रहने वाले ३७ प्रतिशत बच्चों ने इस अवधि में बिल्कुल पढ़ाई नहीं की, जबकि सिर्फ आठ फीसदी बच्चे नियमित रुप से ऑनलाइन पढ़ाई कर सके। शहरी क्षेत्र के आंकड़े भी कोई बहुत राहत नहीं देते। यहां भी सिर्फ २४ प्रतिशत बच्चे नियमित रुप से ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण कर सके।

ये आंकड़े चौंकाने वाले नहीं हैं, अलबत्ता तकलीफदेह जरुर हैं। करीब डेढ़ साल तक देश भर में स्कूल बंद रहे। इस दौरान ऑनलाइन पढ़ाई की वैकल्पिक व्यवस्था की गई, मगर इसकी जटिलताओं व सीमाओं को देखते हुए और भी बहुत कुछ करने की जरुरत थी। सरकार और शिक्षा तंत्र, दोनों इस बात से बखूबी वाकिफ थे कि जो बच्चे दोपहर के भोजन के आकर्षण में स्कूल आते हैं या जिनके मां-बाप बमुश्किल उनकी फीस जोड़ पाते हैं, उनके पास स्मार्टफोन, इंटरनेट, बिजली जैसी सुविधाएं कहां होंगी? ऐसे में, उनके लिए इनोवेटिव रास्ते निकालने के वास्ते स्थानीय शिक्षा-तंत्र को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए था। खासकर पूर्ण लॉकडाउन के फौरन बाद। लेकिन सवाल सरोकार का है, और दुर्योग से शिक्षा इसमें बहुत ऊपर कभी नहीं रही। इस मद में बजटीय आवंटन और स्कूलों-शिक्षकों की कमी ही बहुत कुछ कह देती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार की पहली प्राथमिकता संक्रमण रोकने की थी, और यह होनी भी चाहिए थी। पर जिस तरह उसने लोगों को भूख से मरने नहीं दिया, चुनावों में शिक्षकों की सेवाएं लीं, वह इस स्थिति से भी बचने की राह तलाश सकती थी। बहरहाल, चुनौती बड़ी है, क्योंकि बच्चों की एक विशाल संख्या सीखने में काफी पिछड़ गई है। सर्वे के निष्कर्षों में कहा गया है, कक्षा पांच के काफी बच्चों को दूसरे दरजे का पाठ पढ़ने में कठिनाई महसूस होने लगी है। अब जब तमाम सावधानियों के साथ स्कूल खुल रहे हैं, तब हमारे पूरे शिक्षा तंत्र की काबिलियत इसी से आंकी जाएगी कि वह इन बच्चों के नुकसान को किस तरह से न्यूनतम कर पाता है। सरकारों को शिक्षकों से अब पढ़ाई-लिखाई से इतर कोई भी कार्य लेने से परहेज बरतना चाहिए। उन्हें यह दायित्व सौंपना चाहिए कि इस अवधि में जिन बच्चों ने स्कूल से अपना नाता तोड़ लिया है, उन्हें वापस जोड़ा जाए। आज देश में बेरोजगारी का जो आलम है, उसे देखते हुए अल्प-शिक्षित पीढ़ियां भविष्य में बड़ा बोझ साबित होंगी। प्रधानमंत्री ने कल ही **शिक्षक पर्व** का उद्घाटन करते हुए कहा कि शिक्षा ने सिर्फ समावेशी होनी चाहिए, बल्कि समान होनी चाहिए। पर ताजा सर्वे इस लक्ष्य के विपरीत हालात दिखा रहा है, जहां गरीब-अमीर, गांव-शहर की शिक्षा में काफी असमानताएं हैं।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तत्वावधान में अश्विनी वैष्णव ने

रेल कौशल विकास योजना का शुभारंभ किया

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर स्थित प्रशिक्षण केन्द्रो में रेल कौशल विकास योजना के अंतर्गत उद्योगपुरक कौशल में आधारभूत प्रशिक्षण की शुरुआत

गोंदिया – आजादी अमृत महोत्सव के ७५वें वर्ष में रेलवे प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से औद्योगिक कौशल में आधारभूत प्रशिक्षण प्रदान करके युवाओं को सशक्त बनाने के लिए, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना पीएमकेवीवाई के तत्वावधान में आज रेल भवन में आयोजित एक कार्यक्रम अश्विनी वैष्णव, माननीय रेल मंत्री, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी ने रेल कौशल विकास योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सुनीत शर्मा, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड तथा रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। देश भर में सभी ७५ रेलवे प्रशिक्षण संस्थान भी इस कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़े हुए थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कुमार इस अवसर पर बेसिक ट्रेनिंग सेंटर, वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर में उपस्थित थे। इस योजना का शुभारंभ करते हुए रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा कि विश्वकर्मा जयन्ती का शुभ दिन है, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी जन्मदिन है। उन्होने इस योजना को रेलवे की ओर से प्रधानमंत्री को उपहार तौर पर समर्पित किया। इस योजना के तहत ५० हजार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसका लक्ष्य युवाओं को विभिन्न ट्रेड में गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण देकर रोजगारपुरक विकास करना है। प्रशिक्षुओं से संवाद करते हुए मंत्री महोदय ने प्रशिक्षण को पूरे मनोयोग से सीखने की प्रेरणा दी। उन्होने सुदूर क्षेत्रों के प्रशिक्षण केंद्र के जुड़े होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होने कहा कि इस कौशल विकास योजना से समाज के सबसे अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के जीवन में गुणवत्तापूर्ण परिवर्तन आएगा तथा इससे अंत्योदय का लक्ष्य पूरा होगा।

रेल कौशल विकास योजना के अंतर्गत तीन साल की अवधि में ५० हजार उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रारंभ में, १००० उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण चार ट्रेडों में प्रदान किया जाएगा जिसमें इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, मशीनिस्ट और फिटर और इसमें १०० घंटे का प्रारंभिक बुनियादी प्रशिक्षण शामिल होगा। क्षेत्रीय मांगों और जरुरतों के आकलन के आधार पर क्षेत्रीय रेलवे और उत्पादन इकाइयों द्वारा अन्य ट्रेडों में प्रशिक्षण कार्यक्रम भी जोड़े जाएंगे। प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किया जाएगा और प्रतिभागियों का चयन मैट्रिक में अंकों के आधार पर एक पारदर्शी तंत्र का पालन करते हुए ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों में से किया जाएगा। १०वीं पास और १८-३५ साल आयु के बीच के उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र होंगे। हालांकि इस प्रशिक्षण के आधार पर योजना में भाग लेनेवालों का रेलवे में रोजगार पाने का कोई दावा नहीं होगा।

इस योजना के लिए नोडल पीयू बनारस लोकोमोटिव वर्क्स द्वारा कार्यक्रम पाठ्यक्रम विकसित किया गया है, जो मूल्यांकन को मानकीकृत करेगा और प्रतिभागियों के केंद्रीकृत डेटाबेस को बनाए रखेगा। यह योजना शुरु में १००० प्रतिभागियों के लिए शुरु की जा रही है और यह अपरेंटिस अधिनियम १९६१ के तहत प्रशिक्षुओं को प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण के अतिरिक्त होगी। प्रस्तावित कार्यक्रमों, आवेदन आमंत्रित करने वाली अधिसूचना, चयनित उम्मीदवारों की सूची, चयन के परिणाम, अंतिम मूल्यांकन, अध्ययन सामग्री और अन्य विवरण के बारे में जानकारी के एकल स्रोत के रुप में एक नोडल वेबसाइट विकसित की जा रही है। वर्तमान में, आवेदक प्रारंभिक चरण में स्थानीय रुप से जारी विज्ञापनों के जवाब में आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन जमा करने हेतु जल्द ही एक केंद्रीकृत वेबसाइट पर खोला जाएगा।

प्रशिक्षुओं को एक मानकीकृत मूल्यांकन से गुजरना होगा और उनके कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान द्वारा आवंटित व्यापार में प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षुओं को अपनी शिक्षा का उपयोग करने और स्व-रोजगार के साथ-साथ विभिन्न उद्योगों में रोजगार की क्षमता बढ़ाने में मदद करेंगे। उपरोक्त ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए तथा देश भर के युवाओं को शामिल करने के लिए देश भर में फैले ७५ रेलवे प्रशिक्षण संस्थानों को शॉर्टलिस्ट किया गया है।

इस योजना के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीन प्रशिक्षण केंद्र को नामित किया गया है। बेसिक ट्रेनिंग सेंटर, वैगन रिपेयर शॉप रायपुर में फिटर ट्रेड में २०, वेल्डिंग ट्रेड में २० एवं मशीनिस्ट ट्रेड में २० प्रशिक्षुओं को प्रति बैच प्रशिक्षण दिया जायेगा। बेसिक ट्रेनिंग सेंटर, मोतीबाग कारखाना, नागपुर में वेल्डिंग ट्रेड में २० प्रशिक्षुओं को प्रति बैच प्रशिक्षण दिया जायेगा, जबकि विद्युत लोको प्रशिक्षण केंद्र, उसलापुर बिलासपुर में इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में २० प्रशिक्षुओं को प्रति बैच प्रशिक्षण दिया जायेगा। अगले तीन साल में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में २५०० प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देने की योजना है। प्रथम बैच के प्रशिक्षण की शुरुआत २० सितंबर २०२१ से की जा रही है।

रेल कौशल विकास योजना-आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तत्वावधान में आयोजित एक महत्वपूर्ण योजना है। इससे युवाओं में उपयोगी कौशल विकास का उन्नयन होगा, उद्यमिता को बल मिलेगा तथा स्वरोजगार स्थापित करने में भी आसानी होगी।

पितृपक्ष / श्राद्ध

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या पंद्रह दिन पितृपक्ष (पितृ / पिता) के नाम से विख्यात है। इन पंद्रह दिनों में लोग अपने पितरों (पूर्वजों) को जल देते हैं तथा उनकी मृत्युतिथि पर पार्वण श्राद्ध करते हैं। पिता-माता आदि पारिवारिक मनुष्यों की मृत्यु के पश्चात उनकी तृप्ति के लिए श्रद्धापूर्वक किए जाने वाले कर्म को पितृ श्राद्ध कहते हैं।

श्रद्धया इदं श्राद्धम् (जो श्रद्धा से किया जाये, वह श्राद्ध है।) भावार्थ यह है कि प्रेत और पितर के निमित्त, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए श्रद्धापूर्वक जो अर्पित किया जाए वही श्राद्ध है।

हिन्दू धर्म में माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ी पूजा माना गया है। इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में पितरों का उद्धार करने के लिए पुत्र की अनिवार्यता मानी गई हैं। जन्मदाता माता-पिता को मृत्यु-उपरांत लोग विस्मृत न कर दें, इसलिए उनका श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन कृष्णपक्ष अमावस्या तक के सोलह दिनों को पितृपक्ष कहते हैं जिसमे हम अपने पूर्वजों की सेवा करते हैं।

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रम्हाण्ड की उर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। मृत्यु के बाद दशगात्र और षोडशी-सपिण्डन तक मृत व्यक्ति की प्रेत संज्ञा रहती है। पुराणों के अनुसार वह सूक्ष्म शरीर जो आत्मा भौतिक शरीर छोड़ने पर धारण करती है प्रेत होती है। प्रिय के अतिरेक की अवस्था **प्रेत** है क्यों की आत्मा जो सूक्ष्म शरीर धारण करती है तब भी उसके अन्दर मोह, माया भूख और प्यास का अतिरेक होता है। सपिण्डन के बाद वह प्रेत, पितरों में सम्मिलित हो जाता है।

पितृपक्ष भर में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जो यव (जौ) तथा चावल का पिण्ड देता है, उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का क्रृण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। १५ दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रम्हांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पितरों को प्राप्त होता है।

पुराणों में कई कथाएं इस उपलक्ष्य को लेकर हैं जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। एवं हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा श्री दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर **जलांजलि** देने का उल्लेख है एवं भरत जी के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख **भरत कीन्हि दशगात्र विधाना** तुलसी रामायण में हुआ है।

भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के क्रृण प्रमुख माने गए हैं- **पितृ क्रृण, देव क्रृण तथा क्रृषि क्रृण**। इनमें पितृ क्रृण सर्वोपरि है। पितृ क्रृण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया।

पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढाते हैं। निर्धनों एवं ब्राम्हणों को दान देते हैं। पितृपक्ष में प्रत्येक परिवार में मृत माता-पिता का श्राद्ध किया जाता है, परंतु **गया श्राद्ध** का विशेष महत्व है। वैसे तो इसका भी शास्त्रीय समय निश्चित है, परंतु **गया सर्वकालेषु पिण्डं दधाद्विपक्षणं** कहकर सदैव पिंडदान करने की अनुमति दे दी गई है।

एकैकस्य तिलैर्मिश्रांस्त्रींस्त्रीन् दद्याज्जलाज्जलीन्। यावज्जीवकृतं पापं तत्क्षणादेव नश्यति।

अर्थात् जो अपने पितरों को तिल-मिश्रित जल की तीन-तीन अंजलियां प्रदान करते हैं, उनके जन्म से तर्पण के दिन तक के पापों का नाश हो जाता है। हमारे हिंदू धर्म-दर्शन के अनुसार जिस प्रकार जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु भी निश्चित है। उसी प्रकार जिसकी मृत्यु हुई है, उसका जन्म भी निश्चित है। ऐसे कुछ विरले ही होते हैं जिन्हें मोक्ष प्राप्ति हो जाती है। पितृपक्ष में तीन पीढ़ियों तक के पिता पक्ष के तथा तीन पीढ़ियों तक के माता पक्ष के पूर्वजों के लिए तर्पण किया जाता हैं। इन्हीं को पितर कहते हैं। **दिव्य पितृ तर्पण, देव तर्पण, क्रृषि तर्पण** और **दिव्य मनुष्य तर्पण** के पश्चात् ही **स्व-पितृ तर्पण** किया जाता है। भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन कृष्णपक्ष अमावस्या तक के सोलह दिनों को पितृपक्ष कहते हैं। जिस तिथि को माता-पिता का देहांत होता है, उसी तिथी को पितृपक्ष में उनका श्राद्ध किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार पितृपक्ष में अपने पितरों के निमित्त जो अपनी शक्ति सामर्थ्य के अनुरुप शास्त्र विधि से श्रद्धापूर्वक श्राद्ध करता है, उसके सकल मनोरथ सिद्ध होते हैं और घर-परिवार, व्यवसाय तथा आजीविका में हमेशा उन्नति होती है। पितृ दोष के अनेक कारण होते हैं। परिवार में किसी की अकाल मृत्यु होने से, अपने माता-पिता आदि सम्मानीय जनों का अपमान करने से, मरने के बाद माता-पिता का उचित ढंग से क्रियाकर्म और श्राद्ध नहीं करने से, उनके निमित्त वार्षिक श्राद्ध आदि न करने से पितरों को दोष लगता है। इसके फलस्वरुप परिवार में अशांति, वंश-वृद्धि में रुकावट, आकस्मिक बीमारी, संकट, धन में बरकत न होना, सारी सुख सुविधाएं होते भी मन असन्तुष्ट रहना आदि पितृ दोष हो सकते हैं। यदि परिवार के किसी सदस्य की अकाल मृत्यु हुई हो तो पितृ दोष के निवारण के लिए शास्त्रीय विधि के अनुसार उसकी आत्म शांति के लिए किसी पवित्र तीर्थ स्थान पर श्राद्ध करवाएं। अपने माता-पिता तथा अन्य ज्येष्ठ जनों का अपमान न करें। प्रतिवर्ष पितृपक्ष में अपने पूर्वजों का श्राद्ध, तर्पण अवश्य करें। यदि इन सभी क्रियाओं को करने के पश्चात् पितृ दोष से मुक्ति न होती हो तो ऐसी स्थिति में किसी सुयोग्य कर्मनिष्ठ विद्वान ब्राम्हण से श्रीमद् भागवत् पुराण की कथा करवायें। वैसे श्रीमद् भागवत् पुराण की कथा कोई भी श्रद्धालु पुरुष अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए करवा सकता है। इससे विशेष पुण्यफल की प्राप्ति होती है।

त्रिविधं श्राद्ध मुच्यते के अनुसार मत्स्य पुराण में तीन प्रकार के श्राद्ध बतलाए गए है, जिन्हें नित्य, नैमित्तिक एवं काम्य श्राद्ध कहते हैं।

यमस्मृति में पांच प्रकार के श्राद्धों का वर्णन मिलता है। जिन्हें नित्य, नैमित्तिक, काम्य, वृद्धि और पार्वण के नाम से श्राद्ध है।

नित्य श्राद्ध – प्रतिदिन किए जानें वाले श्राद्ध को नित्य श्राद्ध कहते हैं। इस श्राद्ध में विश्वेदेव को स्थापित नहीं किया जाता। यह श्राद्ध में केवल जल से भी इस श्राद्ध को सम्पन्न किया जा सकता है।

नैमित्तिक श्राद्ध – किसी को निमित्त बनाकर जो श्राद्ध किया जाता है, उसे नैमित्तिक श्राद्ध कहते हैं। इसे एकोदृष्ट के नाम से भी जाना जाता है। एकोदृष्ट का मतलब किसी एक को निमित्त मानकर किए जाने वाला श्राद्ध जैसे किसी की मृत्यु हो जाने पर दशाह, एकादशाह आदि एकोदृष्ट श्राद्ध के अन्तर्गत आता है। इसमें भी विश्वेदेवोंको स्थापित नहीं किया जाता।

काम्य श्राद्ध – किसी कामना की पूर्ति के निमित्त जो श्राद्ध किया जाता है। वह काम्य श्राद्ध के अन्तर्गत आता है।

वृद्धि श्राद्ध – किसी प्रकार की वृद्धि में जैसे पुत्र जन्म, वास्तु प्रवेश, विवाहादि प्रत्येक मांगलिक प्रसंग में भी पितरों की प्रसन्नता हेतु जो श्राद्ध होता है उसे वृद्धि श्राद्ध कहते हैं। इसे नान्दीश्राद्ध या नान्दीमुखश्राद्ध के नाम भी जाना जाता है, यह एक प्रकार का कर्म कार्य होता है। दैनंदिनी जीवन में देव-क्रृषि-पित्र तर्पण भी किया जाता है।

पार्वण श्राद्ध – पार्वण श्राद्ध पर्व से सम्बन्धित होता है। किसी पर्व जैसे पितृपक्ष, अमावास्या या पर्व की तिथि आदि पर किया जाने वाला श्राद्ध पार्वण श्राद्ध कहलाता है। यह श्राद्ध विश्वेदेवसहित होता है।

सपिण्डन श्राद्ध – सपिण्डनशब्द का अभिप्राय पिण्डों को मिलाना। पितर में ले जाने की प्रक्रिया ही सपिण्डनहै। प्रेत पिण्ड का पितृ पिण्डों में सम्मेलन कराया जाता है। इसे ही सपिण्डनश्राद्ध कहते हैं।

गोष्ठीश्राद्ध – गोष्ठी शब्द का अर्थ समूह होता है। जो श्राद्ध सामूहिक रुप से या समूह में सम्पन्न किए जाते हैं। उसे गोष्ठी श्राद्ध कहते हैं।

शुद्धयर्थश्राद्ध – शुद्धि के निमित्त जो श्राद्ध किए जाते हैं। उसे शुद्धयर्थ श्राद्ध कहते हैं। जैसे शुद्धि हेतु ब्राम्हण भोजन कराना चाहिए।

कर्मागश्राद्ध – कर्मागका सीधा साधा अर्थ कर्म का अंग होता है, अर्थात् किसी प्रधान कर्म के अंग के रुप में जो श्राद्ध सम्पन्न किए जाते हैं। उसे कर्मागश्राद्ध कहते हैं।

यात्रार्थश्राद्ध – यात्रा के उद्देश्य से किया जाने वाला श्राद्ध यात्रार्थश्राद्ध कहलाता है। जैसे- तीर्थ में जाने के उद्देश्य से या देशान्तर जाने के उद्देश्य से जिस श्राद्ध को सम्पन्न कराना चाहिए वह यात्रार्थश्राद्ध ही है। इसे घृतश्राद्ध भी कहा जाता है।

पुष्ट्यर्थश्राद्ध – पुष्टि के निमित्त जो श्राद्ध सम्पन्न हो, जैसे शारीरिक एवं आर्थिक उन्नति के लिए किया जाना वाला श्राद्ध पुष्ट्यर्थश्राद्ध कहलाता है।

धर्मसिन्धु के अनुसार श्राद्ध के ९६ अवसर बतलाए गए हैं। एक वर्ष की अमावास्याएं (१२), पुणादितिथियां (४), श्मन्वादि तिथियां (१४), संक्रान्तियां (१२), वैधृति योग (१२), व्यतिपात योग (१२), पितृपक्ष (१५), अष्टकाश्राद्ध (५), अन्वष्टका (५), तथा पूर्वेद्युः (५) कुल मिलाकर श्राद्ध के यह ९६ अवसर प्राप्त होते हैं। पितरों की संतुष्टि हेतु विभिन्न पित्र-कर्म का विधान है।

पुराणोंक्त पद्धति से निम्नांकित कर्म किए जाते हैं - एकोदिष्ट श्राद्ध, पार्वण श्राद्ध, नाग बलि कर्म, नारायण बलि कर्म, त्रिपिण्डी श्राद्ध, महालय श्राद्ध पक्ष में श्राद्ध कर्म उपरोक्त कर्मों हेतु विभिन्न संप्रदायों में विभिन्न प्रचलित परिपाटियां चली आ रही हैं। अपनी कुल-परंपरा के अनुसार पितरों की तृप्ति हेतु श्राद्ध कर्म अवश्य करना चाहिए। कैसे करें श्राद्ध कर्म महालय श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए।

मान्य स्थान : गया

जब बात आती है श्राद्ध कर्म की तो बिहार स्थित गया का नाम बड़ी प्रमुखता व आदर से लिया जाता है। गया समूचे भारत वर्ष में हीं नहीं सम्पूर्ण विश्व में दो स्थान श्राद्ध तर्पण हेतु बहुत प्रसिद्ध है। वह दो स्थान है **बोध गया** और **विष्णुपद मन्दिर**। विष्णुपद मंदिर वह स्थान जहां माना जाता है कि स्वयं भगवान विष्णु के चरण उपस्थित है, जिसकी पूजा करने के लिए लोग देश के कोने-कोने से आते हैं। गया में जो दूसरा सबसे प्रमुख स्थान है जिसके लिए लोग दूर दूर से आते है वह स्थान एक नदी है, उसका नाम **फल्गु नदी** है। ऐसा माना जाता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने स्वयं इस स्थान पर अपने पिता राजा दशरथ का पिंड दान किया था। तब से यह माना जाने लगा की इस स्थान पर आकर कोई भी व्यक्ति अपने पितरो के निमित्त पिंडदान करेगा तो उसके पितृ उससे तृप्त रहेंगे और वह व्यक्ति अपने पितृक्रृण से उरिण हो जायेगा। इस स्थान का नाम **गया** इसलिए रखा गया क्योंकि भगवान विष्णु ने यहीं के धरती पर असुर गयासुर का वध किया था। तब से इस स्थान का नाम भारत के प्रमुख तीर्थस्थानो में आता है और बड़ी ही श्रद्धा और आदर से **गया जी** बोला जाता है।

००००

आश्विन (गुजरात-महाराष्ट्र के मुताबिक भाद्रपद) के कृष्ण पक्ष को हमारे हिन्दू धर्म में श्राद्ध पक्ष के रुप में मनाया जाता है। इसे महालय और पितृ पक्ष भी कहते हैं। श्राद्ध की महिमा एवं विधि का वर्णन विष्णु, वायु, वराह, मत्स्य आदि पुराणों एवं महाभारत, मनुस्मृति आदि शास्त्रों में यथास्थान किया गया है। श्राद्ध का अर्थ अपने देवों, परिवार, वंश परंपरा, संस्कृति और इष्ट के प्रति श्रद्धा रखना है।

हिंदू शास्त्रों में कहा गया है कि जो स्वजन अपने शरीर को छोड़कर चले गए हैं चाहे वे किसी भी रुप में अथवा किसी भी लोक में हों, उनकी तृप्ति और उन्नति के लिए श्रद्धा के साथ जो शुभ संकल्प और तर्पण किया जाता है, वह श्राद्ध है। माना जाता है कि सावन की पूर्णिमा से ही पितर मृत्यु लोक में आ जाते हैं और नवांकुरित कुशा की नोकों पर विराजमान हो जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि पितृ पक्ष में हम जो भी पितरों के नाम का निकालते हैं, उसे वे सूक्ष्म रुप में आकर ग्रहण करते हैं। केवल तीन पीढ़ियों का श्राद्ध और पिंडदान करने का ही विधान है।

पुराणों के अनुसार मुताबिक मृत्यु के देवता यमराज श्राद्ध पक्ष में जीव को मुक्त कर देते हैं, ताकि वे स्वजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। श्राद्ध पक्ष में मांसाहार पूरी तरह वर्जित माना गया है। श्राद्ध पक्ष का माहात्म्य उत्तर व उत्तर-पूर्व भारत में ज्यादा है। तमिलनाडु में आदि अमावसाई, केरल में करिकडा वावुबली और महाराष्ट्र में इसे पितृ पंधरवडा नाम से जानते हैं। श्राद्ध स्त्री या पुरुष, कोई भी कर सकता है। श्रद्धा से कराया गया भोजन और पवित्रता से जल का तर्पण ही श्राद्ध का आधार है। ज्यादातर लोग अपने घरों में ही तर्पण करते हैं।

श्राद्ध का अनुष्ठान करते समय दिवंगत प्राणी का नाम और उसके गोत्र का उच्चारण किया जाता है। हाथों में कुश की पैंती (उंगली में पहनने के लिए कुश का अंगूठी जैसा आकार बनाना) डालकर काले तिल से मिले हुए जल से पितरों को तर्पण किया जाता है। मान्यता है कि एक तिल का दान बत्तीस सेर स्वर्ण तिलों के बराबर है। परिवार का उत्तराधिकारी या ज्येष्ठ पुत्र ही श्राद्ध करता है। जिसके घर में कोई पुरुष न हो, वहां स्त्रियां ही इस रिवाज को निभाती हैं। परिवार का अंतिम पुरुष सदस्य अपना श्राद्ध जीते जी करने के लिए स्वतंत्र माना गया है। संन्यासी वर्ग अपना श्राद्ध अपने जीवन में कर ही लेते हैं।

श्राद्ध पक्ष में शुभ कार्य वर्जित माने गए हैं। श्राद्ध का समय दोपहर साढ़े बारह बजे से एक बजे के बीच उपयुक्त माना गया है। यात्रा में जा रहे व्यक्ति, रोगी या निर्धन व्यक्ति को कच्चे अन्न से श्राद्ध करने की छूट दी गई है। कुछ लोग कौओं, कुत्तों और गायों के लिए भी अंश निकालते हैं। कहते हैं कि ये सभी जीव यम के काफी नजदीकी हैं और गाय वैतरणी पार कराने में सहायक है।

ई-फसल एप पर गोंदिया के किसानों ने भरा सातबारा

गोंदिया – ई-फसल एप पर किसानों को स्वयं की खेती का खुद को ही फसल का सातबारा भरना है। यह प्रक्रिया हालांकि किसानों के लिए सिरदर्द बनी हुई है। लेकिन उतनी ही सरल बताई जा रही है। गोंदिया जिले के १ लाख १२ हजार किसानों ने फसल का सातबारा भरकर गोंदिया को नागपुर विभाग में प्रथम स्थान पर ला दिया है। बता दें कि महाराष्ट्र राज्य में ई-फसल एप लांच किया गया। इस एप के माध्यम से किसानों को सातबारा भरने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ऑनलाईन सातबारा भरने पर ही अन्य सुविधाओं का लाभ देने की भी जानकारी दी जा रही है। इस तरह की प्रक्रिया से कितने क्षेत्र में कौन-कौन सी फसल लगाई गई है। इसकी निश्चत जानकारी मिल सकेगी। गोंदिया जिले में १५ अगस्त से इस प्रक्रिया को शुरुआत की गई। लेकिन यह प्रक्रिया किसानों के लिए समस्या बन गई। वहीं इस प्रक्रिया को पुरा करने में किसान एप का उपयोग कर फसल का सातबारा भरने के लिए कड़ी मेहनत भी कर रहे है। एक माह में गोंदिया जिले के १ लाख १२ हजार किसानों ने एप का उपयोग कर फसल का सातबारा ऑनलाईन पर अपलोड कर लिया है। गोंदिया जिला नागपुर में ऐसा एक जिला बन गया है कि ऑनलाईन सातबारा भरने में प्रथम है। इससे यह भी चर्चा शुरु हो चुकी है कि एक माह के भीतर ही जिले के सभी किसान इस प्रक्रिया को पुरा करने में सफल हो जाएंगे।

समस्या आने पर करें संपर्क

ई-फसल एप का उपयोग कर किसानों द्वारा फसल का सातबारा भरा जा रहा है, लेकिन अनेक स्थानों पर नेटवर्क की समस्या तो अनेक किसानों के पास एंड्राईड मोबाईल की समस्या सामने आ रही है। लेकिन यह प्रक्रिया किसानों के लिए फायदेमंद ही साबित होगी। इसलिए इस प्रक्रिया को पुरा करना भी किसानों की एक अपनी जिम्मेदारी बनती है। यदि फसल का सातबारा भरने में समस्या निर्माण होती है तो तत्काल राजस्व विभाग के कर्मचारियों से संपर्क कर उनकी मदद मांगे।

– **जितेश राणे,** जिलाध्यक्ष, किसान कांग्रेस, गोंदिया

विभाग में गोंदिया नंबर वन

ई-फसल एप का उपयोग कर गोंदिया जिले के १ लाख १२ हजार किसानों ने १६ सितंबर तक इस प्रक्रिया में हिस्सा लेकर जिले को नागपुर विभाग में अव्वल स्थान में लाकर खड़ा कर दिया है। यह प्रक्रिया बहुत ही सरल है। सभी किसानों ने इस एप का उपयोग कर फसल का सातबारा भरें। यदि कोई समस्या आती हो तो राजस्व विभाग के कर्मचारी, पटवारियों से संपर्क कर समस्या सुलझाए। राजस्व विभाग की हर संभव मदद किसानों को मिल रही है। जिले के किसानों द्वारा अच्छा प्रतिसाद इस उपक्रम को दिया जा रहा है।

– **सचिन गोस्वामी,** जिला समन्वयक, ई-फसल योजना

विकास के लिये नगर परिषद में राष्ट्रवादी कांग्रेस को सत्ता सौंपे - प्रफुल पटेल

गोंदिया शहर के जैन कुशन भवन में सांसद प्रफुल पटेल की उपस्थिती में पक्ष पदाधिकारी, कार्यकर्ता व नागरिकों से भेंट कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में विविध विषय पर मार्गदर्शन एवं उपस्थित नागरिकों से परिसर की समस्याओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर पटेल ने कहा कि, कोरोना संक्रमण के समय गोंदिया शहर के सफाई कामगारो ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी, इसके लिये वे प्रसंशा के हकदार है। गोंदिया शहर के विकास के लिये आगामी नगर परिषद चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस के हाथो में सत्ता दें, कई सालों से भाजपा के हाथों में नगर परिषद की सत्ता होने के बावजुद कोई विशेष काम नहीं हुआ है, जो भाजपा को पुन: सत्ता हासील कर सके, इसलिये पार्टी के कार्यकर्ताओं को हर समय जनता कि समस्याओं को जानकर उसके प्रति कटिबद्ध होकार सुलझाने का कार्य करते रहना चाहिये। ताकी पक्ष कि कार्यशैली एवं विचारधारा लोगों के दिमाग में बैठ सके। राष्ट्रवादी कांग्रेस एक परिवार की तरह है, पक्ष संगठन में सभी लोग एकजूट होकार कार्य करे तो उसके परिणाम अच्छे ही मिलेंगे।

इस अवसर पर पुर्व विधायक राजेंद्र जैन, देवेंद्रनाथ चौबे, विजय शिवणकर, विनोद हरिणखेडे, नरेश माहेश्वरी, शिव शर्मा, अशोक शहारे, आशा पाटील, मनोहर वालदे, हुकूम अग्रवाल, केतन तुरकर, सतीश देशमुख, विनीत सहारे, सचिन शेंडे, हेमंत पंधरे, सुनील भालेराव, छोटू पंचबुद्धे, राजेश कापसे, सुशीला भालेराव, विशाल शेंडे, रमेश कुरील, कुंदा दोनोडे, अविनाश महावत, राजू रायनी, योगेश बंसोड, चुन्नी बेंद्रे, शैलेश वासनिक, सुनील पटले, जयंत कछवाह, दर्पण वानखेडे, महेश करियार, गुड्डू बिसेन, एकनाथ वाहिले, सौरभ रोकडे, लव माटे, जितू राणे, राजेंद्र शेंडे, विक्की बाकरे, कपिल बावनथडे के साथ ही अन्य कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

होम्योपैथिक मेडिकल कैंप

गोंदिया – गणेश उत्सव पर्व के दौरान विभिन्न सामाजिक धार्मिक कार्यक्रमों के अंतर्गत छत्रपति शिवाजी गणेश उत्सव मंडल सिविल लाइन द्वारा होम्योपैथिक मेडिकल कैंप का आयोजन कर जरुरतमंद मरीजों को निशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम राजेंद्र चौहान, विमला मिश्रा, केशवप्रसाद पाठक, अरुण गिरे, बबलू पांडे की उपस्थिति में होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. रीमा पाठक द्वारा मरीजों की निशुल्क जांच कर दवाइयां दी गई।

अग्रवाल अविवाहित युवक-युवती पुस्तिका में कराए पंजीयन

गोंदिया जिले में अग्रवाल सोशल मंच गोंदिया द्वारा गत अनेक वषोरु से समाज के युवक-युवतियों के वैवाहिक परिचय सम्मेलन व परिचय पुस्तिका का प्रकाशन कार्य सपलतापूर्वक किया जा रहा है। जिसमें इस वर्ष प्रकाशित होने वाली पुस्तक में पंजीयन कराने का आव्हान मंच द्वारा किया गया है।

गौरतलब है कि अग्रवाल सोशल मंच गोंदिया द्वारा वैवाहिक परिचय सम्मेलन व परिचय पुस्तिका का प्रकाशन तथा वितरण सफलतापूर्वक किया जा रहा है। कोरोना महामारी में भी इस परंपरा को बरकरार रखते हुए अविवाहित, तलाकशुदा, विधवा, विधुर युवक-युवतियों की परिचय पुस्तिका का प्रकाशन संस्था द्वारा किया जा रहा है। जिसमें समस्त अग्रवाल परिवार अपने संबंधितों के परिचय निशुल्क प्रकाशित करवा सकेंगे। जिसके लिए ५ अक्टूबर के पूर्व फोटो व संपूर्ण बायोडाटा व्हाट्सएप नंबर ८७६६६९२४८५ या ईमेल आईडी asmgondia2021@gmail-com पर भेज सकते हैं। उपरोक्त पुस्तिका का प्रकाशन मल्टीकलर होंगा तथा इसका वितरण लागत मूल्य पर अग्रेसन भवन गोंदिया से करने के साथ ही कुरियर से भेजने की व्यवस्था भी की जाएंगी। पुस्तिका के प्रकाशन के लिए अग्रवाल सोशल मंच के संयोजक अशोक सी. अग्रवाल, रविबाबू अग्रवाल, सुरेश चांगरोडिया, सुनील अग्रवाल (बारदानावाले), दिनेश दादरीवाल, प्रफुल गोयल, राजेश अग्रवाल, लालासर, महेश अग्रवाल (माया), दिनेश अग्रवाल (गीता), निरंजन अग्रवाल, टिंकू अग्रवाल, ललित सिंघानिया व ललित अग्रवाल प्रयासरत हैं।

गणेशउत्सव में ५ दिवसीय वेक्सीनेसन कैम्प

१४०० लोगो को लगाया कोरोना टीका

संवाददाता आमगांव – पिछले दो वर्षों से कोविड १९ का प्रकोप चल रहा है। जिसमे कई लोगो को अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ा। सरकार द्वारा कोरोना के टीकाकरण का अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए अष्टविनायक गणेशउत्सव मंडल द्वारा १४ सितंबर से १८ सितंबर तक ५ दिन कोरोना के टीकाकरण पर ध्यान देकर कोविशिल्ड और कोवेक्सिन के लगभग १४०० डोज लगाए गए। मंडल के सदस्यों द्वारा केम्प के बारे में सोशल मीडिया, फोन जिसने भी टिका नहीं लिया है या जिसकी भी दूसरी डोज बची हुई है वह मंडल में आ कर अपना टीकाकरण कर अपना व अपने परिवार को सुरक्षित कर जीवन सफल बनाये, इस प्रकार की जानकारी दी जा रही थी। जिससे टीकाकरण अभियान को भरपूर सफलता प्राप्त हुए। यह सब टीके की व्यवस्था प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनगांव द्वारा की गई थी। टीकाकरण की अभूतपूर्व सफलता के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ अधिकारी, डॉक्टर, नर्सेज, कर्मचारी तथा अष्टविनायक गणेश उत्सव मंडल के सदस्यों ने इस अभियान को सफल बनाया।

धोटेबंधु विज्ञान कॉलेज में उचित पोषण के माध्यम से सशक्तिकरण पर वेबिनार

गोंदिया – वर्तमान में कोविड-१९ महामारी दुनिया भर में एक प्रमुख चुनौती है। इस महामारी के दौरान अस्थिरता के प्रति लचीलेपन के रुप में व्यक्तियों की पोषण स्थिति का उपयोग किया गया है। इष्टतम पोषण और आहार पोषकतत्वों का सेवन प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है, इसलिए वर्तमान संदर्भ में जीवित रहने का एकमात्र स्थायी तरीका प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना है।

इसे संदर्भ में रखते हुए महिला प्रकोष्ठ और गोंदिया एजुकेशन सोसायटी के धोटेबंधु विज्ञान के पूर्व छात्र संघ ने आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के मार्गदर्शन में छात्रों और समाज के लिए **उचित पोषण के माध्यम से सशक्तिकरण** नामक एक स्वास्थ्य और पोषण जागरुकता कार्यक्रम लेने की पहल की। कार्यक्रम की शुरुआत में पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष महेंद्र ठाकुर ने कार्यक्रम का परिचय दिया। उन्होंने अपनी विशेषज्ञता साझा की कि कैसे जैविक खेती प्रतिरक्षा बढ़ाने में मदद करती है। स्वागत भाषण में प्राचार्य डॉ. अंजन नायडू ने पूर्व छात्र संघ के प्रयासों की सराहना की, जो अपने अल्मा मेटर के छात्रों के लिए और सामाजिक लाभ के लिए कार्यक्रम लेने के लिए आगे आए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि वायरस से लड़ने के लिए अच्छी पोषण स्थिति प्राप्त करना और बनाए रखना अनिवार्य है। यह विषय वर्तमान परिदृश्य के लिए बहुत प्रासंगिक है।

पूर्व छात्र संघ की सचिव श्रीमती मंजू कटरे ने छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध आहार विशेषज्ञ डॉ. कविता पुजारा का परिचय कराया, जिनके नाम न केवल कई पुरस्कार हैं, बल्कि अपनी सामाजिक गतिविधियों के लिए भी बहुत लोकप्रिय हैं। अपने सत्र में डॉ. कविता पुजारा ने विभिन्न विषयों पर विस्तार से बात की। जैसे फिट रहने का अधिकार, स्वस्थ भोजन की आदतें, प्रतिरक्षा में विभिन्न खाद्य पदार्थों की भूमिका, विभिन्न माइक्रो और सूक्ष्म पोषक तत्वों की भूमिका और विभिन्न संक्रमणों में उनकी भूमिका। उन्होंने प्रतिरक्षा में विभिन्न जड़ी-बूटियों, मसालों, फलों और सब्जियों की भूमिका को भी विस्तार से बताया। उसने कहा कि एक उचित और स्वस्थ आहार एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली सुनिश्चित कर सकता है, जो वायरस के किसी भी हमले का विरोध कर सकता है। एक विशेष पोषक तत्व की एक निश्चित मात्रा कोशिकाओं में संतृप्त होती है और किसी भी प्रकार की पोषण संबंधी कमी को रोकती है। अच्छी तरह से संतुलित आहार लेने वाले व्यक्ति बेहतर प्रतिरक्षा प्रणाली और पुरानी बीमारियों और संक्रमणों की कम घटनाओं के साथ सुरक्षित प्रतीत होते हैं। तकनीकी सत्र के बाद प्रश्न-उत्तर सत्र हुआ। औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन पूर्व छात्र संघ के उपाध्यक्ष अजय शामका ने किया। पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष कोषाध्यक्ष उत्पल शर्मा, संयुक्त सचिव आदेश शर्मा, कार्यकारी सदस्य अजय अग्रवाल एवं प्रीति गौतम इस अवसर पर प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

आईसीसी सदस्य डॉ स्नेहा जायसवाल, मृणाल भागवत, प्राजक्ता डोंगरे, शीतल धाकाटे, सविता तुकर, चयताई सोनवणे, मीना कात्रे, डॉ. दिलीप चौधरी, आईक्यूएसी समन्वयक और डॉ. धुवारे, प्रमुख विभाग कम्प्यूटर विज्ञान के कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन महिला प्रकोष्ठ की समन्वयक एवं आईसीसी की पीठासीन अधिकारी डॉ. शीतल जुनेजा बनर्जी ने किया। छात्रों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों और समाज की सफल भागीदारी के साथ कार्यक्रम मेगा सक्सेस था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ७१ वां जन्मदिवस

समर्पण दिवस के रुप में मनाया

गोंदिया – युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ७१ वें जमदिवस को गोंदिया शहर के युवा प्रशंसकों के द्वारा सेवा समर्पण दिवस और गरीब कल्याण दिवस के रुप में मनाया गया। उनके जन्मदिन को सेवा सप्ताह के रुप में मनाने का भी संकल्प व्यक्त किया गया। इस क्रम में रेलटोली शिव मंदिर में मोदी के दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य के लिए महाआरती एवं महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया गया। ग्राम कुडवा में गरीब बच्चों को पाठ्यपुस्तक सामग्री एवं मिठाई वितरण, केटीएस अस्पताल में मरीजों को फलों का वितरण भी किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सर्व समावेशी विकास और गरीब कल्याण की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा कर राष्ट्र को विकास की मुख्यधारा में लाने का काम किया है, ऐसा प्रतिपादन मयूर कावड़े ने व्यक्त किया। आगे भी मोदी के विचारों, उनके राष्ट्रहित कायोरु को जन-जन तक पहुंचाने का काम और युवाओं को उनके विचार से जोड़ने का काम हम करते रहेंगे, ऐसा सभी युवाओं ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रमुखता से मयूर कावड़े, जयराम जतपेले, राहुल बेलगे, विशाल मांहुले, अमोल पुस्तोडे, रोहित बादुले, अविनाश ठमके, रोहित श्रीभात्रे, शीतल रहांगडाले, शैलेश हुड, राहुल ऐरने और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

नोटबुक का वितरण

अर्जुनी मोरगांव – भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर अर्जुनी मोरगांव तहसील के सिरौली जिप प्राथमिक स्कूल में भाजप माहुरकुडा पंचायत समिति प्रमुख रमेश मस्के द्वारा कक्षा १ से ४ के सभी विद्यार्थियों को नोटबुक का वितरण किया गया। इस अवसर पर रमेश मस्के, सुनीता मस्के, रुपचंद खोबरागड़े, श्रीराम लंजे, ग्राम सेविका कु. काबले, संदीप दामले, राजू रामटेके, विलास मेश्राम, करणसिह पवार, लोकेश शेंडे, सुनील शेंडे, ठाकरे सर, बावरे सर व भाजपा के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गोंदिया शहर भाजपा महिला मोर्चा द्वारा फल वितरण

गोंदिया शहर भाजपा महिला मोर्चा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर शहर के बीजीडब्ल्यू शासकीय महिला चिकित्सालय में मरीलों को फलों का वितरण किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम के अवसर पर जिला अध्यक्ष केशव मानकर, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, जिला संगठन मंत्री संजय कुलकर्णी, शहर भाजपा अध्यक्ष सुनील केलनका व गोंदिया शहर महिला मोर्चा अध्यक्ष निर्मला मिश्रा ने फल वितरित किये। कार्यक्रम में गोंदिया शहर महिला मोर्चा की महामंत्री नीलिमा माणिक पूरी, नेहा शर्मा, लक्ष्मी चौधरी गोंदिया शहर महिला मोर्चा सचिव अंजु शैलेन्द्र सरजारे, कार्यकर्ता पूजा तिवारी, रजनी टिकरिया, योगिता रोकड़े, सुनिता कालसर्पे, दिव्या सहारे, प्रमिला भोगाड़े, पंचशीला भीमराव राऊत, संगीता गुप्ता, लक्ष्मी नागपुरे, अनिता नारनवरे इत्यादि महिला कार्यकर्ता प्रमुखता से उपस्थित थी। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों व कार्यकर्ताओं का गोंदिया शहर महिला मोर्चा की वरिष्ठ महामंत्री प्रमिला शिन्द्रामे ने आभार वयक्त किया।

इंजोरा में पौधारोपण

संवाददाता – अर्जुनी मोरगांव तहसील के ग्राम इंजोरा जिला परिषद प्राथमिक स्कूल में पौधारोपण किया गया भाजपा अनुसूचित जाति तहसील आघाडी व युवा मोर्चा द्वारा संयुक्त तत्वधान में मोदी के जन्मदिवस को सेवा व समर्पण सप्ताह के रुप में मनाया जा रहा है। जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसीके अंतर्गत इंजोरा में पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष के रुप में भाजपा जिला महामंत्री लायकराम भेंडारकर, प्रमुख अतिथी भाजपा अनुसूचित जाती आघाडी तहसील अध्यक्ष दीपंकर उके, भाजपा युवा मोर्चा तहसील अध्यक्ष विवेक खंडाईत, उपाध्यक्ष अविनाश कापसे, महामंत्री श्रीकांत वैद्य, शक्ती केंद्र प्रमुख छगन पातोडे, पुन्शोत्तम डोये, शाला समिती अध्यक्ष मोरेश्वर मेश्राम, कमलेश शेंडे, लोकेश तरोने, गौरिसंकर ब्राम्हणकर, गुलाब ढोक, प्रेमलाल नारनवरे, दिलीप हुकरे, कल्पना भेंडारकर, दीपिका रहेले, वंदना शिवणकर, रामकला हुकरे, शाला के मुख्याध्यापक रोकडे, सहा.शिक्षक लाखेश्वर लंजे, व अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिया से छलांग लगाकर की आत्महत्या

गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम मोहगांव तिल्ली निवासी दुर्योधन राधेश्याम गौतम (३४) द्वारा गांव के नाले की पुलिया से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। जिसका शव ग्रामीणों, पुलिस, मछुआरों व रेस्क्यू टीम की मदद से निकाला गया। उपरोक्त प्रकरण में फरियादी रेवालाल श्यामलाल गौतम की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस थाने में आकस्मिक मौत धारा १७४ के तहत दर्ज कर आगे की जांच पोहवा देवरी द्वारा की जा रही है।

खड़े ट्रक से दुपहिया टकराई एक जख्मी

रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले जीनियस लॉन नागरा के समीप आरोपी ट्रक चालक द्वारा अपना ट्रक क्रमांक सीजी-१० आर-४२२२ द्वारा सार्वजनिक स्थान पर रोड के समीप इंडिकेटर ना चालू कर रिफ्लेक्टर ना लगाते हुए लापरवाही पूर्ण नो पार्किंग जोन में खड़ा किया था। इसी दौरान चांदनीटोला निवासी फरियादी शिवकुमार नेवारे (१५) यह जख्मी के साथ दुपहिया क्रमांक एमएच-३५ एएन-५५६४ के पीछे बैठकर अपने ग्राम की ओर जा रहा था। इसी दौरान खड़े ट्रक से दुपहिया टकरा गई। जिसमें वह गंभीर रुप से जख्मी हो गया। उपरोक्त मामले में फरियादी की शिकायत व चिकित्सा अहवाल के आधार पर रामनगर पुलिस थाने में धारा २८३, ३३८ सहायक धारा १०९, १७७, १०२(२), १७७, १२२(२)(५), १७७ मोवाका के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा ब्राम्हणकर द्वारा की जा रही है।

शासकीय कार्य में बाधा

सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आने वाली नगर पंचायत सालेकसा में फरियादी संदीप लक्ष्मण लहाने (३१) शासकीय कार्य कर रहा था। इसी दौरान आरोपी द्वारा गाली-गलौज कर मारपीट करने के साथ ही जान से मारने की धमकी देकर शासकीय कार्य में बाधा निर्माण की। उपरोक्त मामले में फरियादी की शिकायत पर सालेकसा पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा ३५३, ३३२, ५०४, ५०६, ३४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच सपोनी सुनील जानकर सालेकसा द्वारा की जा रही है।

फांसी लगाकर की आत्महत्या

अर्जुनी मोरगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम सावरटोला अर्जुनी मोरगांव निवासी आसाराम तुकाराम चचाने (६५) गत ४ वर्षों से बीमारी से परेशान था। जिसके चलते वह अपने खेत परिसर के पेड़ पर दुपट्टे से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उपरोक्त मामले में फरियादी माधवराव कासिम चचाने की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस थाने में आकस्मिक मौत धारा १७४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा कन्नाके द्वारा की जा रही है।

मुख्याधिकारी की दबंगाई सालेकसा नपं में भ्रष्टाचार का बोलबाला

उपाध्यक्ष व नगर सेवकों ने पत्र परिषद में लगाया आरोप

रवि सोनवाने – सालेकसा नगर पंचायत हमेशा ही भ्रष्टाचार के विषय को लेकर चर्चा में रहती है। तथा नगर पंचायत मुख्याधिकारी की दबंग शाही के चलते नगर पंचायत में करोड़ों रुपयों का भ्रष्टाचार हो रहा है। इस प्रकार का आरोप उपाध्यक्ष व नगरसेवको द्वारा अर्धनारेस्वरालय हल्बीटोला में आयोजित पत्र परिषद में लगाया। आगे उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि नगर पंचायत के नगर सेवकों को विश्वास में न लेकर नगराध्यक्ष व मुख्याधिकारी द्वारा मनमर्जी से कार्य किया जा रहा है। कुछ ही दिनों पूर्व नगर पंचायत के माध्यम से अग्निशमन वाहन की खरीदी ९५ लाख रुपए की दर से की गई। किंतु उपरोक्त वाहन की मूल कीमत २५ लाख रुपए हैं। तथा हाइड्रोलिक टिप्पर टाटा एस गोल्ड के ३ वाहक जिनकी प्रत्येक की कीमत २१ लाख रुपये के अनुसार खरीदी की गई है।

उपरोक्त वाहनों की कीमतों की जांच की जाए तो मूल कीमत से दुगनी कीमत में खरीदी का मामला सामने आएगा। साथ ही नगर पंचायत में दो सेनेटरी मशीन खरीदी की गई है। लेकिन उसका उपयोग नहीं हो रहा तथा वह धूल खा रही है। इसमें करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार मुख्याधिकारी द्वारा किया गया है। साथ ही कोविड-१९ काल के दौरान सभा व नगर सेवकों को विश्वास में ना लेकर मुख्याधिकारी द्वारा अनाप-शनाप किमतो में साहित्य की खरीदी कर बोगस बिल जोड़ कर भुगतान निकाला गया है। इस प्रकार का आरोप उपाध्यक्ष व नगर सेवकों द्वारा लगाया गया है। साथ ही नगर पंचायत के अंतर्गत घनकचरा संकलन करने के लिए नगर पंचायत सालेकसा द्वारा निविदा निकाली गई थी तथा घनकचरा संकलन करने का कार्य राजीव सुशिक्षित बेरोजगार सहकारी संस्था मर्यादित खुरकुडी को दिया गया। जिसमें शासन के नियमानुसार मजदूरों को दैनिक मजदूरी ५४२ रुपये दिया जाना है। किंतु उन्हें सिर्फ २२० वेतन तथा महिलाओं को १४० की मजदूरी दी जा रही है। साथ ही नगर पंचायत के माध्यम से सफाई कामगार का भारी आर्थिक शोषण किया जा रहा है। मजदूरों से रजिस्टर रेवनी स्टैंप लगाकर कोरे कागजों पर दस्तखत ली जाती है। तथा जो कामगार विरोध करता है उन्हें काम से निकालने की धमकी मुख्याधिकारी द्वारा दी जाती है। तथा संबंधित ठेकेदार द्वारा घनकचरा प्रकल्प में कार्य करने वाले कर्मचारियों का ईपीएफ भी नहीं भरा जाता जिसमें ठेकेदार व मुख्याधिकारी की आपसी सांठगांठ सामने आयी है।

नगर पंचायत की होने वाली आम सभा में सभी नगरसेवकों की प्रमुख उपस्थिति में विभिन्न विकास कामों का नियोजन सभा में लिया जाता है किंतु प्रोसीडिंग हमेशा दो से तीन पदाधिकारियों के निर्देशानुसार नगर सेवकों को विश्वास में ना लेकर बदली जाती है। इस मामले में कार्रवाई करने का निवेदन जिलाधिकारी गोंदिया व सांसद को दिया गया है तथा इसकी जांच कर संबंधित दोषियों पर कार्रवाई नहीं किए जाने पर नगर पंचायत को ताला ठोकने व धरना आंदोलन किए जाने की चेतावनी पत्र परिषद के माध्यम से दी गई है।

उपरोक्त पत्र परिषद में उपाध्यक्ष प्रहलाद बढ़ाई, नगर सेविका वंदना क्षीरसागर, श्यामकला प्रधान, शयनबाई प्रधान, शशिकला ढेकवार, कृष्णा भैसारे, सोहन क्षीरसागर, वीरेंद्र जैन, संजय उके, वनिता चावके, पुष्पा भसमोटे, अनीता राऊत, प्रमिला कटरे, मनीष शेंदरे, मानिक राऊत, कुंवर साखरे, रविकुमार मानकर, आकाश भसमोड़े तथा सफाई कामगारों द्वारा भी अपनी समस्या सामने रखकर दोषियों पर कार्रवाई ना होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

शासकीय नियमानुसार खरीदी

नपं सालेकसा के लिए सामग्री की खरीदी शासकीय नियमानुसार की गई है। जिला अधिकारी से मंजूरी लेने के पश्चात ही खरीदी की गई है। घनकचरा व्यवस्थापन में मजदूरों को शासकीय दर के अनुसार ही मजदूरी दी जाती है। उपाध्यक्ष व नगर सेवकों द्वारा लगाए गए आरोप बेबुनियाद है।

– **आशीष चौहान,** मुख्याधिकारी
सालेकसा नगर पंचायत

पथदीप बंद सरपंच संघटना ने दी आंदोलन की चेतावनी

संतोष रोकड़े – अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतों के पथदीप गत ३ महीने से बंद है। बारिश के इस मौसम में पथदीप बंद होने से नागरिकों काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में प्रशासन से समय-समय पर पथदीप शुरु करने की मांग संबंधित ग्राम पंचायत के माध्यम से की गई। शासन द्वारा बकाया विद्युत बिल महावितरण में भरा नहीं है, जिसके चलते ग्राम पंचायतों के पथदीपों की विद्युत आपूर्ति खंडित की गई है। जिससे नागरिकों को आगामी त्योहारों के समय अंधेरे में रहना पड़ेगा।

इस संदर्भ में राज्य सरकार, जनप्रतिनिधि, जिला अधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदि को बार-बार निवेदन देकर विद्युत बिल भरने की मांग की गई है। किंतु प्रशासन द्वारा इस और अनदेखी की जा रही है। इसके चलते ग्राम पंचायत सरपंच सेवा संघ अर्जुनी तहसील मोरगांव द्वारा २३ सितंबर को विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे के जनसंपर्क कार्यालय के समक्ष आंदोलन करने की चेतावनी दी है। इस संदर्भ में अर्जुनी मोरगांव के तहसीलदार विनोद मेश्राम, पुलिस निरीक्षक, गट विकास अधिकारी, विधायक चंद्रिकापुरे को निवेदन दिया गया है। इस अवसर पर संघटना के अध्यक्ष हेमकृष्ण संग्रामे, अशोक कापगते, संजय खरवडे, प्रकाश शिवणकर, होमराज पुस्तोडे, डॉ.दीपक रहिले, भोजराम लोगडे, युवराज तरोने, कुंदा डोंगरवार, किशोर ब्राम्हणकर, विश्वनाथ बाळबुद्धे, लिलेश्वर खुणे व सरपंच सेवा संघ के सरपंच उपस्थित थे।

स्वतंत्रता के अमृत पर्व पर पटवारियों के माध्यम से

इलेक्शन कार्य पर तैनात मृत पुलिस सिपाही की पत्नी को १० लाख की सहायता

गोंदिया जिले में ग्राम पंचायत चुनाव के दौरान १५ जनवरी २०२१ को जिला परिषद कन्या स्कूल ढापेवाडा में कार्य में तैनात नायब पुलिस सिपाही रुपचंद झनकलाल ढोमने की अचानक तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई थी। कार्य पर तैनाती के दौरान मौत होने पर ग्राम विकास विभाग महाराष्ट्र शासन द्वारा १० लाख रुपये का सानुग्रह अनुदान मंजूर किया गया, जो मृतक की पत्नी उर्मिला रुपचंद ढोमने को अपर जिला अधिकारी राजेश खवलेक की प्रमुख उपस्थिति में प्रभारी उप जिलाधिकारी सामान्य श्रीमती लीना फलके द्वारा दिया गया।

मिनी मेटाडोर ने दुपहिया को मारी टक्कर छात्र की मौत

आमगांव - प्राप्त जानकारी के अनुसार १८ सितंबर की सुबह गोरठा निवासी छात्र तुषार चुटे (१८) स्कूल से दुपहिया वाहन से अपने ग्राम की ओर जा रहा था। इसी दौरान आमगांव की ओर से गोंदिया जा रही मिनी मेटाडोर एमएच३५-एजे२२३९ के चालक द्वारा लापरवाही पूर्ण तरीके से चलाते हुए पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रुप से जख्मी हो गया। जिसे उपचार के लिए ग्रामीणों द्वारा १०८ एंबुलेंस से गोंदिया रवाना किया गया। किंतु चिकित्सालय पहुंचने के पूर्व ही मार्ग में उसकी मौत हो गई। आमगांव पुलिस थाने के निरीक्षक विलास नाडे अपने सहयोगियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मिनी मेटाडोर के ड्राइवर गौरीशंकर अशोक वलधरे (२२) को हिरासत में लिया तथा आगे की जांच निरीक्षक विलास नाडे के मार्गदर्शन में पोहवा हटवार व हरिनखेडे द्वारा की जा रही है।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

आजादी के अमृत महोत्सव पर सरपंचों ने की गांवों की सफाई

गोंदिया भारत की आजादी की ७५वीं सालगिरह के अवसर पर जिले में महाश्रमदान अभियान १७ सितंबर को चलाया गया। इस अवसर पर गोंदिया जिले के ५४८ ग्राम पंचायतों के सरपंच तथा सदस्यों ने हाथों में झाडु पकड़कर ग्राम की सफाई कर दी। इसी तरह सरकारी कार्यालयों में भी कर्मचारियों द्वारा महाश्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। हालांकि इस अभियान पर चर्चा भी शुरु हो गई कि इस तरह का महाश्रमदान सिर्फ इसी दिन तक ही सीमित ही न रह जाए। यदि भारत की आजादी की सालगिरह को सफल बनान हो तो निरंतर इस तरह के अभियान चलाना होगा।

गौरतलब है की राज्य शासन के निर्देश के अनुसार जिला पंचायत तथा ग्राम पंचायतों में १७ सितंबर को महाश्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया जाए। इस तरह का पत्र सभी ग्राम पंचायतों को दिया गया। बताया गया है कि भारत की आजादी की ७५वीं सालगिरह संपूर्ण देश में मनाई जा रही है। अमृत महोत्सव के तहत जिले के सभी ग्राम पंचायतों में विभिन्न उपक्रम चलाकर २५ अगस्त से आगामी १०० दिनों तक इस अभियान को चलाना है। जिसके तहत जिले के ५४८ ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सदस्यों ने हाथों में झाडु लेकर ग्राम की सफाई कर दी। इस दौरान महाश्रमदान में सरकारी कर्मचारी, महिला बचत समूह तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें सामूहिक महाश्रमदान, ग्राम की सफाई, झाडियों की कटाई, कचरा संकलन, कचरे का प्रबंधन, जलस्त्रोतों के स्थानों की सफाई, सार्वजनिक स्थान पर स्वच्छता का संदेश, आंगणवाड़ी स्कूल में पानी का प्रबंधन, सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण तथा रंग-रंगोटी का उपक्रम चलाया गया। इस तरह का महाश्रमदान जिले में प्रथम ही बार एक साथ देखने को मिला है।

एक ही समय में चलाया गया अभियान

स्वच्छ भारत मिशन के तहत आजादी की ७५वीं सालगिरह मनाकर अमृत महोत्सव शुरु किया गया है। इस अवसर पर निर्देश दिए गए थे कि जिले के सभी ग्राम पंचायतों में एक ही समय में इस अभियान के तहत चलाए जाने वाले उपक्रमों की शुरुआत की जाए। निर्देश के अनुसार १७ सितंबर को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में दोपहर २ बजे से शाम ६.१५ बजे तक महाश्रमदान का उपक्रम चलाया गया।

हौसीटोला में खुले में शौच

एक ओर भारत की आजादी की ७५वीं सालगिरह का अमृत महोत्सव के तहत स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा था तो दुसरी ओर हौसीटोला ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम कन्हारटोला में अमृत महोत्सव की अनदेखी कर अस्वच्छता फैलाई जा रही थी। गोरेगांव तहसील अंतर्गत हौसीटोला गट ग्राम पंचायत आती है। इस ग्राम पंचायत के तहत कन्हारटोला यह ग्राम आता है। इस ग्राम में खुले में शौचविधी की जाती है। जबकि स्वच्छ भारत अभियान के तहत सभी परिवारों के लिए स्वच्छता गृह का निर्माण कराया गया। बावजूद स्वच्छता गृह का उपयोग नहीं किया जा रहा है। उपरोक्त जो तस्वीर में दृश्य दिखाई दे रहा है। इस दृश्य को देखते हुए स्पष्ट हो रहा है कि किस तरह स्वच्छता अभियान की ध्वजियां उड़ाई जा रही है।

जसपालसिंह चावला बने महाराष्ट्र पत्रकार संघ के जिला सचिव

गोंदिया – पत्रकार और सहसंपादक इंजि. जसपालसिंह चावला को महाराष्ट्र पत्रकार संघ के गोंदिया जिला सचिव के रुप में चयन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष विलासराव कोलेकर, प्रदेश सचिव शेखर सुर्यवंशी, राज्य उपसम्पर्क प्रमुख भोला गुप्ता के नेतृत्व मे जिलाध्यक्ष सतीश कोसरकर की उपस्थिती मे कोषाध्यक्ष के.ए. रंगारी, जिला संपर्क प्रमुख प्रा. मुन्नाभाई नंदगवाली, फोटोग्राफर धम्मदीप मेश्राम, सदस्य खांडेकर और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। चावला का सर्वसम्मति से चयन कर जिला कार्यालय में नियुक्ति पत्र एवं फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। शीघ्र ही चावला जिले का दौरा करेंगे।

७/१२ होम डिलीवरी

२ अक्टूबर से शुरु होगा अभियान

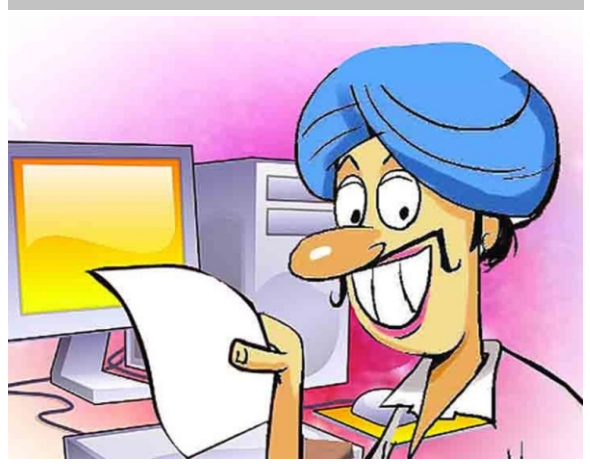

गोंदिया – भारत एक कृषि प्रधान देश है। राज्य की आर्थिक प्रगति में कृषि क्षेत्र की अहम भूमिका रही है। साथ ही साथ स्वराज्य की अवधारणा में, खेती पूर्ण स्वतंत्रता में एक व्यवसाय है देश की आधारशिला है। देश के अमृत पर्व वर्ष के अवसर पर पटवारियों के माध्यम से घर-घर जाकर खाताधारक को मुफ्त ७/१२ देने के उद्देश्य से जिले में २ अक्टूबर २०२१ से विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रभारी कलेक्टर राजेश खवले ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी तहसीलदारों की समीक्षा बैठक कर इस अभियान में की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

स्वतंत्रता की अमृत वर्षगांठ के अवसर पर डिजिटल भूमि अभिलेख ई-महाभूमि के तहत विकसित आधुनिकीकरण कार्यक्रम एल्गोरिथम से कम्प्यूटरीकृत डिजिटल हस्ताक्षर द्वारा प्राप्त अधिकार जिले में अभिलेखों से संबंधित जीएन संख्या ७/१२ की अद्यतन प्रतिलेख की प्रति इसे किसानों को उनके पटवारियों के माध्यम से निरुशुल्क उपलब्ध कराने जिलास्तर पर कार्रवाई शुरु कर दी गई है।

जिले के आर्थिक उत्थान में किसानों के योगदान को देखते हुए २ अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर जिले में अभियान शुरु किया गया जाएगा। इस अभियान के तहत सभी संबंधितों को डिजिटल ७/१२ समझने में आसान बना दिया है। इस अभियान को लागू करने के लिए जिलास्तर पर समयबद्ध कार्यक्रम की योजना बनाई गई है। तदनुसार २ अक्टूबर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के हाथों किसानों को डिजिटल ७/१२ वितरण की जायेगी। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया जायेंगा। राजस्व विभाग द्वारा युद्ध के मैदान में प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कार्रवाई किया जा रहा है। यह जानकारी प्रभारी कलेक्टर राजेश खवले ने दी।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।